आईटी पार्कों में निवेश से मिलेगा 15,000 को रोजगार

अवसर

राज्य मुख्यालय | विशेष संवाददाता

02 अरब रुपये का निवेश होगा

10 करोड़ का निर्यात राजस्व अनुमानित

सहारनपुर में 200 एकड़ में विकसित किए जा रहे पिलखनी औद्योगिक क्षेत्र में तीन एकड़ में आईटी पार्क बनाया जाएगा। मेरठ एवं आगरा में आईटी पार्कों का काम लगभग पूर्ण हो चुका है। गोरखपुर एवं वाराणसी में इस साल सितम्बर तक आईटी पार्क बन जाएंगे। निर्माणाधीन आईटी पार्कों में लगभग रु 200 करोड़ के निवेश एवं 15,000 रोजगार के अवसर बनेंगे।

औद्योगिक विकास विभाग व आईटी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी मण्डलों में आईटी पार्कों अथवा साफ्टवेयर टेक्नोलाजी पार्कों

की स्थापना होगी। सभी आईटी पार्कों के लिए भूमि की निःशुल्क व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा की गई है और इन आईटी पार्कों के लिए स्थानीय सूचना प्रौद्योगिकी व स्टार्टअप कंपनियों के चयन की प्रक्रिया भी साथ-साथ कराई जा रही है। वाराणसी में वाराणसी विकास प्राधिकरण के जवाहर लाल नेहरू कामर्शियल काम्पलेक्स में आईटी पार्क की स्थापना के लिए आईटी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग के पक्ष में इस निर्मित भवन का हस्तान्तरण विलेख प्रक्रियाधीन है।

लखनऊ के एसटीपीआई केंद्र से 230 करोड़ का निर्यात

आलोक कुमार ने कहा कि वर्ष 2019-20 में लखनऊ के एसटीपीआई केंद्र से रु . 230 करोड़ का निर्यात हुआ है। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) की 3 .58 एकड़ भूमि पर आईटी पार्क का विकास किया गया है। इसमें पांच वर्ष की अवधि में 4,000 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है और प्रतिवर्ष 5-10 करोड़ रुपये का निर्यात राजस्व अनुमानित है। मेरठ के आईटी पार्क में पांच वर्ष की अवधि में 5,000 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है और प्रतिवर्ष 6-10 करोड़ रुपये का निर्यात राजस्व अनुमानित है। आगरा में आईटी पार्क से पांच वर्ष में 5,000 रोजगार के अवसरों और प्रतिवर्ष 6-10 करोड़ रु .का निर्यात सम्भावित है।